

उपमित्र पुं. (तत्.) 1. सामान्य मित्र 2. मित्र के समान व्यक्ति।

उपमेय वि. (तत्.) 1. उपमा देने योग्य, जिसकी दूसरे से समानता बताई जाए 2. वह वस्तु जिसकी तुलना किसी उपमान से की जाए।

उपमेयोपमा स्त्री. (तत्.) काव्य. वह अर्थालंकार जिसमें उपमान को उपमेय के समान और उपमेय को उपमान के समान वर्णित किया जाता है। जैसे कर के समान कमल और कमल के समान कर है।

उपयंता पुं. (तत्.) नियंत्रित करने वाला, पति।

उपयंत्र पुं. (तत्.) 1. छोटा यंत्र या औजार 2. चीर-फाड़ के काम आने वाले छोटे यंत्र।

उपयाचन पुं. (तत्.) माँगने का कार्य, प्रार्थना करना।

उपयाचना स्त्री. (तत्.) (ईश्वर से) कुछ माँगना, प्रार्थना, निवेदन, विनती; मन्नत, मनौती।

उपयाचित वि. (तत्.) प्रार्थित, निवेदित।

उपयुक्त वि. (तत्.) 1. उपयोग में लाया हुआ, प्रयुक्त 2. उचित, ठीक 3. योग्य विलो. अनुपयुक्त।

उपयुक्ततम की उत्तरजीविता स्त्री. (तत्.) जीव. डारविन के अनुसार जीवन संघर्ष में उपयुक्ततम ही जीवित रह पाता है, इन्हीं उपयुक्त जीवों के वरण से विकास संभव हुआ है survival of the fittest दे. जीवन संघर्ष।

उपयुक्तता स्त्री. (तत्.) समय, परिस्थिति, आवश्यकता आदि के अनुरूप होने की स्थिति, औचित्य।

उपयोक्तव्य वि. (तत्.) उपयोग के योग्य, इस्तेमाल करने योग्य, काम लेने योग्य।

उपयोग पुं. (तत्.) 1. व्यवहार, काम में लाना 2. लाभ 3. उपयुक्तता विलो. अनुपयोग।

उपयोगकर पुं. (तत्.) अर्थ. वस्तु के उपयोग पर लगने वाला कर। use tax

उपयोगिता स्त्री. (तत्.) एक सिद्धांत जो मानता है कि अधिक से अधिक लोगों का अधिक से अधिक हितसाधन करने वाले कार्य ही ठीक हैं, चाहे वे अनैतिक ही क्यों न हों। utility

उपयोगितावाद पुं. (तत्.) अर्थ., दर्शन) 1. यह मत कि किसी वस्तु या कार्य की महत्ता उसके अधिकाधिक उपयोगी होने से ही सिद्ध होती है 2. उपयोगिता के आधार पर मूल्यांकन। utilitarianism

उपयोगितावादी पुं. (तत्.) अर्थ. आकर्षक होने की अपेक्षा उपयोगी होने पर विश्वास करने वाला, उपयोगितावाद का अनुयायी।

उपयोगी वि. (तत्.) 1. काम में आने वाला 2. लाभदायक।

उपयोगी कला स्त्री. (तत्.) लौकिक आवश्यकताओं को पूरा करने वाली कला जैसे बढईगिरी।

उपयोगी साहित्य पुं. (तत्.) काव्य. ऐसा साहित्य जो भौतिक या पारलौकिक जीवन में उपयोगी हो, शास्त्र।

उपयोजन पुं. (तत्.) विधि. किसी वस्तु या विचार आदि को उपयोग/प्रयोग में लाना या लगाना। application

उपरंजक वि. (तत्.) 1. जो रंग चढ़ाए, रंगरेज़ 2. असर डालने वाला, असरकारी, प्रभावी।

उपरंजन पुं. (तत्.) 1. पास की वस्तु पर अपना (बुरा) प्रभाव डालना 2. रँगना।

उपरंजनीय वि. (तत्.) रँगने योग्य, जिसे रंगना हो।

उपरंजित वि. (तत्.) जिस पर रंग चढ़ गया हो।

उपरक्त वि. (तत्.) 1. विषयासक्त 2. विपद्ग्रस्त 3. पीड़ित 4. जिस पर बुरा प्रभाव पड़ा हो।

उपरक्षण पुं. (तत्.) पहरा, चौकी।

उपरत वि. (तत्.) जिसका मन दुनिया से या विषयभोग से हट गया हो, राग रहित, विरक्त।